nwda.gov.in

200 किमी तक ट्रंक सीवर लाइन की होगी सफाई

हाई लेवल कमिटी की तीसरी मीटिंग में साफ यमुना के लक्ष्य के लिए फैसला

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

एलजी वी. के. सक्सेना ने मंगलवार को यमुना पर बनी हाई लेवल कमिटी की तीसरी मीटिंग की। यह मीटिंग यमुना किनारे असिता ईस्ट में हुई। 30 जून तक तय किए गए एजेंडा के अनुसार काम करने की हिदायत के साथ इस मीटिंग में सामने आया कि यमुना के प्रदूषण की बड़ी यह है कि यहां करीब 200 किलोमीटर ट्रंक सीवर लाइन में गाद जमा है। पिछले करीब आठ से दस सालों से दिल्ली जल बोर्ड ने इसे साफ करने का काम नहीं किया है। पहली मीटिंग में ही पाया गया था कि यह सीवर लाइन करीब 80 से 90 प्रतिशत तक जाम है। सीवर के अलावा यह लाइन कूड़े आदि से भी भर गई है।

यमुना में सीवर की गंदगी जाने से रोकने के लिए उठाया जा रहा है कदम

इसी स्थिति को देखते हुए 90.34 किलोमीटर सीवर लाइन को इस साल जून तक साफ करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं बाकी बची 110 किलोमीटर सीवर लाइन को सितंबर तक साफ करने का लक्ष्य है। एलजी ने निर्देश दिए कि यह काम हर हाल में तय समय पर पूरा हो। मीटिंग में यह भी पाया गया कि पिछले दो से तीन महीने में ही यमुना में प्रदूषण स्तर में कमी आई है। यह कमी खासतौर पर नजफगढ़ नाले में किए गए कामों की वजह से आई है।

FILE

मीटिंग में तय की गई मुख्य बातें

- राजधानी में उत्पन्न होने वाले 100 प्रतिशत सीवेज को ट्रीट करना
- 242 चयनित ड्रेन और 238 ऐसी ड्रेन जो लिस्ट में नहीं हैं, उन्हें यमुना में गिरने से पहले रोकना
- अनधिकृत कॉलोनियों और जेजे क्लस्टर में सीवेज नेटवर्क का विस्तार
- इंडस्ट्रियों से निकलने वाले कचरे को सीईटीपी (कॉमन एफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट) से मैनेज करना
- यमुना में सेप्टेज (गाद) न डाला जाए, इसके लिए सेप्टेज मैनेज करना
- यमुना बाढ़ क्षेत्र की सफाई
- ट्रीट किए गए पानी का बेहतर उपयोग करना